चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.03.25	3	7-8

दैनिक भास्कर

शोधार्थियों-वैज्ञानिकों ने मृदा स्वास्थ्य पर किया मंथन

शोध व नवाचार से एचएयू व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्ते : काम्बोज

हिसार। हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ पोलैंड के प्रतिनिधि।

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए प्रशिक्षण के समापन पर एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व एचएयू के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11.03.25	4	6-8

शोध और नवाचार सें हरियाणा कृषि विश्वद्यालय व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्ते : प्रो . काम्बोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ पोलैंड प्रतिनिधियों की टीम व अन्य • जागरण

कृषि उत्पादन में नवीनतम तकनीक कर करें उपयोग: उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी आफ वारसा व हकृवि के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे।

यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डा. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा, उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.03.25	4	3-5

शोध व नवाचार सें हकृवि व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्तेः प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ पोलैंड प्रतिनिधियों की टीम व अन्य।

हिसार, 10 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हकृवि के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे।

यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुराग द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में सिज़मन रजुकोव्स्की, जूलिया रिड्ज़, इंगा सुचोडोलस्का, अन्ना बर्नाओविच, व पैट्रीक्जा पुस्ज़को तथा टेक्नीकल स्टाफ में मार्ता लास्ज्का, बार्टलोमीज स्टार्जिन्स्की तथा इरीना टोवचको शामिल रहे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा क्वात्रा भी उपस्थित रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.05.25	2	6.8

शोध-नवाचार के खुलेंगे रास्ते : प्रो. कांबोज

हिसार की एचएयू और वारसॉ विश्वविद्यालय पोलैंड के बीच हुआ समझौता

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि वारसॉ विश्वविद्यालय पोलैंड व एचएयू के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे। उन्होंने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया।

एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज के साथ पोलैंड का प्रतिनिधिमंडल। स्रोत : विवि

प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल की ओर से आयोजित किया गया। इस मौके पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. राजेश गेरा, डॉ. अनुज राणा, डॉ. अनुराग, डॉ. आशा कवात्रा, पोलैंड के स्नातकोत्तर विद्यार्थी सिजमन रजुकोव्स्की, जूलिया रिड्ज, इंगा सुचोडोलस्का, अन्ना बर्नाओविच, पैट्रीक्जा पुस्जक्रो, मार्ता लास्ज्जका, बार्टलोमीज स्टार्जिन्स्की व इरीना टोवचको शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	11.03.25	12	3-8

हकृवि में इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

हकृवि व पोलैंड के बीच शोध से खुलेंगे नए रास्ते

- वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने सतत कृषि से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुराग द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में सिजमन रजुकोव्स्की, जूलिया रिड्ज, इंगा सुचोडोलस्का, अन्ना बर्नाओविच, व पैट्रीक्जा पुस्जको तथा टेक्नीकल स्टाफ में मार्ता लास्ज्का, बार्टलोमीज स्टार्जिन्स्की तथा इरीना टोवचको शामिल रहे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा क्वात्रा भी उपस्थित रही।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ पोलैंड प्रतिनिधियों की टीम व अन्य।

व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा प्रशिक्षण

प्रो. काम्बोज ने सोमवार को अपने संबोधन में कहा कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हकृवि के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	11.03.25	7	4-5

हकृवि में इंडो-पोलिश प्रशिक्षण शिविर

शोध से हकृवि व पोलैंड के बीच खुलेंगे नये रास्ते : काम्बोज

हिसार, 10 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हकृवि के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुराग द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.03.25	9	6-8

हकृवि में इंडो-पोलिश अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ पोलैंड प्रतिनिधियों की टीम व अन्य।

हिसार, 10 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ौतरी की जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	10.03.25	--	--

शोध व नवाचार सें हकृवि व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्तेः प्रो. काम्बोज

हकृवि में इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

सिटीपल्स न्यूज, हिसर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हकृवि के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे।

यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुराग द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में सिज़मन रजुकोव्स्की, जूलिया रिड्ज़, इंगा सुचोडोलस्का, अन्ना बर्नाओविच, व पैट्रीक्जा पुस्ज़को तथा टेक्नीकल स्टाफ में मार्ता लास्ज्जका, बार्टलोमीज स्टार्जिन्स्की तथा इरीना टोवचको शामिल रहे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा क्वात्रा भी उपस्थित रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.03.25	--	--

शोध व नवाचार से हकृवि व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्ते : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं है। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हकृवि के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे।

यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुराग द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में सिज़मन रज़ुकोव्स्की, जूलिया रिड्ज, इंगा सुचोडोलस्का, अन्ना यर्नाओविच, व पैट्रीकजा पुस्त्को तथा टेक्नीकल स्टाफ में मार्ता लास्का, बार्टलोमीज स्टर्जिन्स्की तथा इरीना टोवचको शामिल रहे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा क्वात्रा भी उपस्थित रही।

गांव देवा में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर सम्पन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव देवा में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के समापन अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने स्वयंसेवकों से समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। इसलिए इस क्षेत्र में स्वयंसेवकों को और अधिक काम करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों में सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करना, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सेवाओं के प्रति जागरूकता, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा स्वच्छता शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	11.03.25	12	2-5

पर्यावरण संरक्षण को पौधरोपण जरूरी : डॉ. खीचड़

- हकृवि द्वारा गांव देवा में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव देवा में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के समापन अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने स्वयंसेवकों से समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी है। इसलिए इस क्षेत्र में स्वयंसेवकों को और अधिक काम करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों में सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करना, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सेवाओं के प्रति जागरूकता, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा स्वच्छता शामिल हैं। गांव की सरपंच सुमन देवी ने अपने अनुभवों को व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया और उनको जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी।

हिसार। विजेताओं बच्चों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डॉ. मदन खीचड़।

प्रतियोगता करवाई

स्कूल की प्रधानाचार्य कृष्णा देवी ने शिविर के दौरान अपना संपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रीना ने बताया कि विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। स्वयंसेवकों को विशिष्ट श्रेणियों में पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.03.25	2	7-8

गांव देवा में 7 दिवसीय एन.एस. एस. शिविर का समापन

हिसार, 10 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव देवा में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के समापन अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि विजेताओं के साथ।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने स्वयंसेवको से समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। इसलिए इस क्षेत्र में स्वयंसेवकों को और अधिक काम करने की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों में सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करना, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सेवाओं के प्रति जागरूकता, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा स्वच्छता शामिल हैं। गांव की सरपंच सुमन देवी ने अपने अनुभवों को व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया और उनको जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी।

स्कूल की प्रधानाचार्य कृष्णा देवी ने शिविर के दौरान अपना संपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रीना ने बताया कि विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। स्वयंसेवकों को विशिष्ट श्रेणियों में पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यापक, विद्यार्थी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.03.25	9	7-8

प्रतियोगिता में भाग लेते हुए विद्यार्थी।

हकृवि द्वारा एनएसएस शिविर का आयोजन

हिसार, 10 मार्च (विरेन्द्र वर्मा):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव देवा में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के समापन अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने स्वयंसेवकों से समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। इसलिए इस क्षेत्र में स्वयंसेवकों को और अधिक काम करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों में सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करना, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सेवाओं के प्रति जागरूकता, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा स्वच्छता शामिल हैं। गांव की सरपंच सुमन देवी ने अपने अनुभवों को व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया और उनको जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। स्कूल की प्रधानाचार्य कृष्णा देवी ने शिविर के दौरान अपना संपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रीना ने बताया कि विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। स्वयंसेवकों को विशिष्ट श्रेणियों में पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यापक, विद्यार्थी और ग्रामीण उपस्थित रहे।